G.D.GOENKA PUBLIC SCHOOL,SRINAGAR

CONTENT TERM-II-WEEK-3-SATERDAY-DATED-(23/10/2021)

GRADE-5
HINDI

पाठ 15. दस आमों की कीमत

कहानी का उद्देश्य: बच्चों के माता-पिता उनके खाली समय का सदुपयोग करने के लिए उन्हें प्रतिदिन थोड़ा-थोड़ा पढ़ाना लिखा ना चाहते हैं, जिससे बच्चों का बौद्धिक विकास हो सके और वह समय के महत्व को भी समझें ।

बुद्धिमानी समझ आदि का विकास , स्वभाविक शरारतें भी ज़रूरी।

जीवन मूल्य

1. स्वामी के पिताजी का स्वामी को इस तरह डाँटना सही है क्योंकि अगर बाल्यावस्था में बच्चों को अनुशासन में नहीं रखा जाए तो वे बिगड़ जाएँगे और पढ़ाई-लिखाई तो जीवन का आधार है। इस अमूल्य धन के गुण से बच्चे भले ही अनजान हों परंतु बड़ों को बच्चों की शिक्षा-दीक्षा का ध्यान तो रखना ही पड़ता है।

2. दूसरों से बात करते समय आदरसूचक शब्दों का प्रयोग करना चाहिए, दूसरों के विचारों और भावनाओं की कद्र करनी चाहिए। वार्तालाप के दौरान दूसरों को भी ध्यान से सुनना चाहिए और यथासंभव कर्णप्रिय शब्दों का ही प्रयोग करना चाहिए।

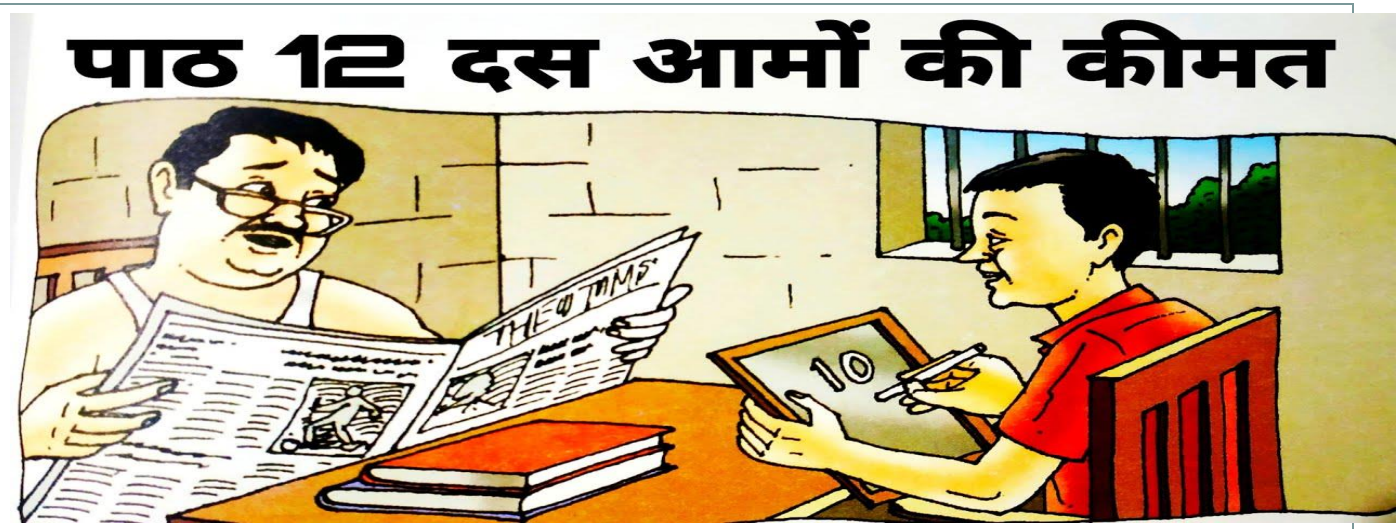

लिखित कुछ शब्दों में

क. पिताजी आंगन में क्या पहन कर खड़े थे?

उत्तर: पिताजी आँगन में धोती- बनियान पहनकर खड़े थे ।

ख. किसकी बात सुनकर स्वामी के मुँह में पानी आ गया?

उत्तर: आमों की बात सुनकर स्वामी के मुँह में पानी आ गया ।

ग. स्वामीनाथ के पिताजी आगबबूला क्यों हो गए?

उत्तर: स्वामीनाथ के सवाल पर आग बबूला हो गए। स्वामीनाथ ने सोचा कि वह कैसे जान सकते है कि बेवकूफ़ कृष्ण कितना दाम देगा । पिताजी यह सुनकर आग बबूला हो गए थे।

घ. पिताजी किसे अपने साथ क्लब ले गए?

उत्तर: पिताजी स्वामीनाथ को अपने साथ क्लब ले गए।